Regarding incident of alleged suicide of farmers

सुश्री इकरा चौधरी **(**कैराना**):** माननीय सभापति महोदया, मैं अपने संसदीय क्षेत्र सहारनपुर जनपद के एक किसान सरदार वेद प्रकाश जी के बारे में बताना चाहती हूँ, जिन्होंने प्रशासन की लापरवाही से तंग आकर आत्मदाह कर लिया । उनकी जमीन का विवाद एक दशक से लटका हुआ था । जब उस किसान की कहीं भी सुनवाई नहीं हुई और प्रशासन उनकी जमीन को कुर्क करने पहुंचा, तो उन्होंने अपना जीवन ही समाप्त कर लिया ।

इसी तरह से, कई जगहों पर, ग्राम कल्शी में किसान धरने पर बैठे हैं । वहाँ सरकार ने उनकी जमीन हाइवे के निर्माण के लिए ले ली, लेकिन उनको श्रेणी के जाल में उलझाकर मुआवजे से वंचित कर दिया । सामली में एनएचएआई के निर्माण के लिए किसानों की जमीनें ले ली, लेकिन मुआवजा देने में सरकार ने इतने पेंच लगा दिये हैं कि आज उन्हें बाजार की दर से भी कम मुआवजा मिल रहा है । ग्राम धाजू के निकट सड़क पर एक कट देने का वायदा सरकार के अधिकारियों ने किया था, लेकिन उसे भी सरकार पूरा नहीं कर रही है । जनपद सामली में चीनी मिलों के पास कम से कम 30 करोड़ रुपए का बकाया है । मिलों पर बकाया के लिए थाना भवन पर जो किसान धरना दे रहे हैं, उनको बकाया मूल्य देने की बजाय उन पर मुकदमा दायर कर दिया गया है, लगभग 26 किसानों पर मुकदमा दायर किया गया है, जो बहुत ही शर्मसार करने वाली बात है ।

मैं आपके समक्ष सिर्फ एक सुझाव रखना चाहती हूँ ।